जौतुका पेड़ी

एक दहेज पेटी

Jautuka Pedi

A Dowry box

परिचय

जौतुका पेड़ी ओडिशा के लोक समुदायों द्वारा विवाह संस्कार में दी जाने वाली एक प्रकार की दहेज पेटी है जिसकी संरचना मंदिर के समान है। निचला भाग एक वर्गाकार संदूक की तरह है और ऊपरी हिस्सा ढ़क्कन जो कि चपटे शिखर वाले शंकु आकार का है। अलग-अलग आकार के तीन या पांच के समूह में मिलने वाला यह संदूक कृष्ण के जीवन, जगन्नाथ जी के मिथक, रामायण के दृश्य, गणेश, संगीतकारों और नर्तकों, पशुओं, पेड़-पौधों तथा फूलों के चित्रों से सुसज्जित है। प्रस्तुत प्रादर्श इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा वर्ष 2015 में अपने परिसर में आयोजित एक कार्यशाला "चित्रगाथा" के दौरान संकलित है, जिसे रघुराजपुर (ओडिशा) के चित्रकार श्री अशोक महाराणा द्वारा तैयार किया गया है।

संकलन स्थान/ Place of collection :
पुरी, ओडिशा/ Puri, Odisha

आरोहण क्रमांक/ Accession No.:
2015.507 A-C

समुदाय / Community:
लोक / Folk

Introduction

Jautuka Pedi, a kind of decorative dowry box is used by the folk communities of Odisha in marriage ceremony. It is similar to a temple like structure. The lower part is square like box and the upper part lid is in conical shape with flat top. It is available in set of either three or five in nos. of different sizes. It is decorated with painting of incidents from Krishna life, mythology of Jagannath, scenes from Ramayana, Ganesh, images of musician and dancer, animals, plants and other floral motifs. The present specimen, is acquired by IGRMS made by Chitrakaar Shri Ashok Maharana of Raghurajpur (Odisha), during the workshop Chitra Gatha organised in 2015 at the campus.

सामाजिक विश्वास और प्रथाएं

रूढ़िगत परंपराओं के अनुसार जौतुका पेड़ी विवाह के समय वधु के पिता द्वारा वर के परिवार को दिया जाने वाला विशेष उपहार है। इस संदूक में कपड़े, घरेलू बर्तन, गहने तथा दुल्हन द्वारा दैनिक इस्तेमाल की वस्तुऐं जैसे सिंदूर, चूड़ी, आलता तथा अन्य आवश्यक वस्तुऐं रखी जाती हैं। पुराने समय में प्रायः और कहीं-कहीं आज भी लकड़ी की बनी इस विशिष्ट रूप से अलंकृत संदूक या पेटी में रखी गयी चीजे दुल्हन के ससुराल में प्रवेश पर यथा सम्भव उसकी प्रतिष्ठा का प्रतीक या वैभव का प्रदर्शन होता था। यह तय करना तो कठिन है कि यह पेड़ी वास्तव में दहेज के लिये ही बनाई या फ़िर किसी अन्य उद्देश्य से। अस्तु समारोह, उर्वरता और रक्त के प्रतीक लाल रंग से चित्रित सौभाग्य चिन्हों से सुसज्जित यह एक अत्यंत अलंकृत विवाह प्रतीक है जो रूढ़िवादी दहेज-प्रथा को समाप्त करने की दिशा में प्रयास है।

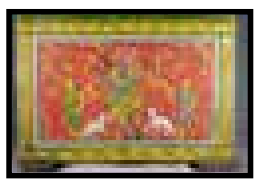

Social belief and practices

According to the customary practices, Jautuka Pedi is given as a gift from bride's father to groom's family specifically at the time of marriage. In this box clothes, household utensils, ornaments and bride's daily use items like sindur (vermillion), chudi (bangles), alta (a kind of liquid red colour) and other necessary items are kept. Often, earlier times as well as at some places today these goods were packed into a box or chest, traditionally made of wood and typically decorated as richly as means would allow, the better to show it off as a status symbol when the bride arrived at her-in-laws home. It is quite difficult to determine whether this pedi was in fact intended to serve for a dowry or whether it is commissioned for other purposes. However, it is most richly decorated marriage box, particularly those are decorated with good luck symbols and sign of red paint is the colour of celebration, fertility and blood, which breaks the traditional practice of 'Dowry'.

निर्माण प्रक्रिया / Making Process

जौतुका पेड़ी का निर्माण कार्य चित्रकार के आदेश पर बढ़ई द्वारा लकड़ी की पेटी निर्माण से शुरू होता है। यह गम्हरिया की लकड़ी से बनता है। चित्रकार इन पेटियों को खरीद लेते है और लकड़ी की सतह को चित्रांकन योग्य बनाते हैं। पहले इमली के बीज की गोंद को कपड़े पर लगाया जाता है और उसे लकड़ी की सतह पर चिपका दिया जाता है। फ़िर धूप में सूखने देते हैं।

अगला चरण खड़ी लागी (चॉक लगाना) है। मुलायम चॉक मिट्टी का चूर्ण बनाकर 2:1 के अनुपात में इमली की गोंद में मिलाते हैं, यह चिपचिपा पदार्थ सुखाये हुये कपड़े पर सूखने देते हैं। कपड़ा सूख जाने पर एक खुरधुरे पत्थर से तथा गोल पत्थर से चिकना व चमकदार होने तक घिसा जाता है।

इस प्रकार तैयार सतह पर चित्रकार द्वारा पटचित्र की तरह ही एक निश्चित क्रम में चित्रांकन किया जाता है। यह क्रम ढोड़ी माप (रेखा निर्धारण), टिपाणा (स्केचिंग), हिंगुला बनका (लाल रंग से पृष्ठ भूमि तैयार करना), रंग बनका (मुख्य रंग में आकृतियां बनाना), लुगा पिंधा (आकृतियों पर पोशाक अंकन), मोटा काला (स्थूल काली रेखा), सरू काला (पतली काली रेखा), शंखा पटा (श्वेत स्पर्श), धड़ी कामा (बाह्य रेखा) तथा जौउसला (लाख लगाना) है।

The preparation of a Jautuka Pedi begins with the making of wooden box by the carpenter as per the order from the Chitrakar. It is made out of gamharia wood. The Chitrakaar purchase these boxes and prepare the wooden surface for painting. Firstly, a coating of gum made out of tamarind seed is applied on cloth and pasted over the wooden surface. Then, it is allowed to dry under sun-light.

The next stage is the Khadi Lagi (application of chalk). Soft clay stone is powdered and mixed with tamarind gum (2:1 ratio) and this glutinous substance is applies on the dried cloth and left for drying. After the cloth dried, the surface is rubbed with a coarse stone and rounded pebble stone until a smooth and polished surface is achieved.

Over the prepared surface painting is done by the Chitrakar following a definite sequence as made in Pata Painting. It is Dhadi Mapa (demarcation of border), Tipana (Sketching), Hingula Banaka (background filling with red colour), Ranga Banaka (modeling of figures in base colour), Luga Pindha (putting on dress), Mota Kala (thick black line), Saru Kala (thin black line), Sankha Pata (white touching), Dhadi Kama (border) and Jausala (Lacquering).